

आदि से चौकोर छोटे टुकड़े में बना पक्वान  
जिसे चासनी में डालकर मीठा बनाया जाता है।

**सकरा वि.** (तद्.) सँकरा, संकीर्ण, तंग।

**सकरिया स्त्री.** (देश.) लाल रंग की शकरकंद,  
रतालू।

**सकरुण वि.** (तद्देश.) करुण, दया वाला, दयावान,  
दयालु।

**सकरुंड वि.** (देश.) एक प्रकार का वृक्ष जिसकी  
पत्तियों आदि का प्रयोग औषधि के रूप में होता  
है।

**सकर्ण पुं.** (तत्.) 1. जो सुनता या सुन सकता हो  
2. कानों वाला/जिसके कान हो 3. कानों तक  
आच्छादित।

**सकर्मक वि.** (तत्.) 1. जो किसी कर्म से युक्त  
हो, प्रभावकारी 2. जो किसी प्रकार का कर्म या  
कार्य कर रहा हो क्रियाशील।

**सकर्मक क्रिया स्त्री.** (तत्.) व्याकरण में दो प्रकार  
की क्रियाओं (अकर्मक और सकर्मक) में से वह  
क्रिया जिसका कार्य उसके कर्म पर समाप्त होता  
हो जैसे- देना, मांगना, रखना आदि।

**सकल वि.** (तत्.) संपूर्ण, समस्त, कुल, सब अंगों  
से युक्त पुं. 1. निर्गुण ब्रह्म और सगुण प्रकृति  
2. दर्शन शास्त्र के अनुसार तीन प्रकार के जीवों  
में से पशु वर्ग के जीव 3. रोहित घास या तृण  
4. भौतिक जगत से प्रभावित जीव 5. मंद और  
मधुर स्वभाव वाला 6. सारी कलाओं से पूर्ण  
जैसे- चन्द्रमा।

**सकलात पुं.** (देश.) 1. ओढ़ने की रजाई, ढुलाई 2.  
उपहार, भेंट, सौगात 3. मखमली कपड़ा।

**सकलाती वि.** (देश.) 1. जो भेंट, उपहार, सौगात में  
दिया जा सके, भेंट में देने के लिए कोई वस्तु  
2. उत्तम, बढ़िया, अच्छा।

**सकलेंदु पुं.** (तत्.) 1. पूर्ण चन्द्र, पूर्णिमा का चांद  
2. पूर्ण चंद्र की तरह मुख वाला।

**सकसकाना अनु.** (देश.) बहुत अधिक डरना, डर से  
काँपना।

**सकाकुल पुं.** (देश.) 1. एक कंद, अंबर 2. शतावर  
का एक भेद 3. एक तरह की मिश्री 4. सुधा  
मूली।

**सकाकोल सं.** (तत्.) 1. मनु के अनुसार एक नरक  
का नाम, काकोल नरक 2. काकोल नरक युक्त।

**सकाम निर्जरा स्त्री.** (तत्.) जैन दर्शन 1. जैन  
धर्म के अनुसार चित्त की ऐसी वृत्ति या  
अवस्था जिसमें काफी अधिक नुकसान होने पर  
भी शत्रु को अति शांतिपूर्वक क्षमा कर दिया  
जाता है 2. शक्तिशाली होने पर भी शत्रु को या  
नुकसान करने वाले को क्षमा करने की वृत्ति।

**सकामा स्त्री.** (तत्.) 1. कामातुरा, काम पीडिता  
स्त्री 2. कामना या इच्छा रखने वाली।

**सकामी वि.** (तत्.) 1. इच्छा रखने वाला, कामना  
युक्त, वासना युक्त 2. कामुक, विषयी।

**सकाय वि.** (तत्.) 1. जिसके मन में कोई कामना  
या इच्छा हो 2. जिसकी कामना पूरी हो गई हो  
3. सफल मनोरथ 4. कामी, लंपट, कामेच्छु 5.  
प्रेम करने वाला, प्रेमी 6. अपने स्वार्थ या उद्देश्य  
के निमित्त काम करने वाला।

**सकार पुं.** (तत्.) 1. 'स' अक्षर 1. 'स' वर्ण की या  
उससे मिलती जुलती ध्वनि जैसे- 'सीता' शब्द में  
सकार है। 'साकार' सुख का वाचक है 3. प्रातः  
काल, भोर, तड़का, सवेरे, सकारे, सकाल, प्रभात  
4. (देश.) स्त्री. स्वीकृति, मंजूरी 5. हुंडी स्वीकार  
करने की क्रिया, भाव 6. हुंडी के देनदार द्वारा  
हुंडी पर हस्ताक्षर करके यह पुष्टि कर देना कि  
वह निर्धारित तिथि पर हुंडी का भुगतान कर  
देगा।

**सकारना स.** (देश.) 1. स्वीकार करना, मंजूर करना  
2. हुंडी की मिति पूरी होने के एक दिन पहले  
हुंडी देखकर उस पर हस्ताक्षर करना और रुपये  
चुकाने की जिम्मेदारी लेना।

**सकारा पुं.** (देश.) 1. सकारने की क्रिया या भाव  
2. महाजनी लेन देन में वह धन जो हुंडी  
सकारने और उसका समय फिर से बढ़ाने के  
बदले में लिया जाता है।